युमनाम जात्रा सिंह

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
संगीत की अन्य प्रमुख परंपराएँ (नट संकीर्तन)

YUMNAM JATRA SINGH

Sangeet Natak Akademi Amrit Award: Other Major Traditions of Music (Nata Sankirtana)

मणिपुर के तेंदोंग्यान अवांग लैकाई में 12 सितंबर 1923 को जन्मे, श्री युमनाम जात्रा सिंह नट संकीर्तन विशेषज्ञ हैं। आपने जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी (जेएनएमडीए) से नट ईशेई में पोस्ट डिप्लोमा और चोलोम में डिप्लोमा किया है।

आप जेएनएमडीए में विजिटिंग गुरु और श्री गोबिंदजी पाला नाहा के ईशेई हन्बा रहे हैं। आपने विभिन्न गोष्ठियों और कार्यशालाओं में भाग लिया है।

आपको महाराजा बुधचंद्र की पत्नी द्वारा शाही वस्त्र; और मणिपुर राज्य कला अकादमी द्वारा मणिपुर राज्य कला अकादमी पुरस्कार (2013) से सम्मानित किया गया है।

मणिपुरी नट संकीर्तन में योगदान के लिए श्री युमनाम जात्रा सिंह को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 12 September 1923 in Tendongyan Awang Leikai in Manipur, Shri Yumnam Jatra Singh is a Nata Sankirtana specialist who received his Post Diploma in Nat Eshei from Jawaharlal Nehru Manipur Dance Academy (JNMDA) and received his diploma in Cholom from JNMDA.

He has been visiting guru of the JNMDA and has been an Eshei Hanba of Shree Gobindaji Pala Naha. He has participated in various seminars and workshops.

He has received several honours and recognition like the Royal Robe from the wife of Maharaja Budhachandra; and the Manipur State Kala Akademi award conferred by Manipur State Kala Akademi, Government of Manipur (2013).

Shri Yumnam Jatra Singh receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to Nata Sankirtana of Manipur.